

वीर तेजा जी जाट कन्या छात्रावास सूरतगढ़ वीर तेजाजी जाट संस्थान सूरतगढ़,

जिला श्रीगंगानगर (राज.)

1. संस्था का नाम व पता — वीर तेजा जी जाट कन्या छात्रावास सूरतगढ़

इंद्रा सर्किल बाबा रामदेव मंदिर रोड़, सूरतगढ़

संचालक संस्था — वीर तेजाजी जाट संस्थान सूरतगढ़।

रजि नं. 349/83-84

फोन नं. 01509-220330, मो0 9414653267

2. इतिहास — 1. अपने वचन के पक्के, वीर सहासी, सत्यवादी, आत्म बलिदानी, सदाचारी, धार्मिक प्रवृत्ती, सत्य मार्ग पर चलने वाले, जन सेवा व निश्ठा से ओतप्रोत, आडम्बर विरोधी, समाज सुधारक, जन जन में चेतना जाग्रत करने वाले, तेजस्वी वीर तेजा जी के नाम पर वीर तेजा जी जाट कन्या छात्रावास का निर्माण किया गया है। जाट समाज के लोगों द्वारा प्रदत्त राशि से निर्मित यह छात्रावास ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाली छात्राओं को उच्च शिक्षा दिलवाने की सहयोग की दृष्टि से वीर तेजा जी जाट संस्थान सूरतगढ़ द्वारा संचालित है।

सन् 1977-78 में सूरतगढ़ में जाट समाज के कार्यरत अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा महाराजा सूरजमल स्मृति संस्थान के नाम संगठन का गठन किया गया जिनमें सर्व श्री सूरजमल पूनिया X.En. बलवंत सिंह झींझा J.En. डॉ. दलीप सिंह सिहाग डॉ. महावीर सिंह कस्वां महावीर सिंह घिंटाला अध्यापक मनीराम डेलू अध्यापक भगवान सिंह सिन सिनवार फार्म अधिकारी मनीराम सहारण LIC स्वरूप सिंह सांगवान अध्यापक आदि का विशेष सहयोग रहा। इस संगठन में राजपुरा पीपेरण पंचायत की इस खाली पड़ी भूमि पर कब्जा करके चारदिवारी का निर्माण करवाया। यह भूमि जो लगभग 12 बीघा है राजपुरा पीपेरण पंचायत के अधीन थी जिसका पट्टा वीर तेजा जी मंदिर के नाम से इस पंचायत द्वारा दिया गया। सन् 1983-84 में समाज की सभा में वीर तेजा जी जाट संस्थान के नाम से संस्था का गठन कर इसका रजिस्ट्रेशन करवाया गया व सूरजमल स्मृति संस्थान को इस नई संस्था में मर्ज कर दिया गया। श्रीमान मनसा राम गोदारा सीलवानी को संस्था का अध्यक्ष नियुक्त किया गया व इस भूमि पर वीर तेजा जी मंदिर व तेजा जी जाट धर्मशाला के निर्माण का निर्णय लेकर इसे फलीभूत किया गया। इस कार्य में राशि एकत्रित करने में सहयोग करने वाले समाज के मुख्य लोग श्री मान चेताराम भांभू 7 एस.जी.एम., सुलतान सहारण माणकथेड़ी, महावीर सिंह घिंटाला अमरपुरा, भादर राम भांभू पीपेरण, नानू राम सिलू सीलवानी, जयलाल सिंहाग न्यौला रामपुरा, लालचंद मूंड लुढाना, रामचंद भादू सूरतगढ़ आदि का सहयोग रहा। इस संस्था के एक वर्ष के लिए श्री मनफूल सिंह भादू सांसद भी अध्यक्ष रहे। इनके बाद पुनः श्री मनसा राम गोदारा को अध्यक्ष बनाया गया जो कि 5 वर्ष तक अध्यक्ष रहे। इनके कार्यकाल में ही तेजा जी मंदिर व जाट धर्मशाला का निर्माण किया गया। जाट धर्मशाला का संचालन भी बेहतरीन रहा। सन् 1996 में श्रीमान बीरबल जी भादू पूर्व प्रधान को इस संस्था का अध्यक्ष नियुक्त किया गया जिन्होंने अपने कार्यकाल में दूरगामी सोच के साथ इस भूमि पर ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं के लिए छात्रावास निर्माण का निर्णय लिया व स्वयं ने 71000 रु0 की राशि का सहयोग देकर इस कार्य का शुभारंभ किया। अपने कार्यकाल में 17 कमरों का निर्माण करवाया। सन् 1999 में राजेन्द्र सिंह भादू पूर्व विधायक को इस संस्था का

अध्यक्ष नियुक्त किया। जिन्होंने इस निर्माण कार्य को जारी रखा व जनसहयोग से 18 और कमरों का निर्माण करवाया। सन् 2003 में श्रीमान गंगाजल मील को इस संस्था का अध्यक्ष नियुक्त किया गया जिन्होंने प्रण किया कि इस छात्रावास को इसी वर्ष ही शुरू करूंगा और उन्होंने इस कार्य को करके दिखा दिया। इस छात्रावास के चारों तरफ चार दिवारी नहीं थी उसे बनवाया व अन्दर बैड, अलमारी, पंखे, कुर्सी आदि भैतिक सुविधाएं उपलब्ध करवाई। इस कार्य के लिए उन्होंने स्वयं 300000 रु० संस्था को दिए एवं 600000 रु० स्वामी केशवानन्द ट्रस्ट संगरिया से सहयोग लिया गया। इस छात्रावास का उद्घाटन 2003 में ही भामाशाह व शिक्षाविद् डॉ. घासीराम वर्मा के कर कमलों द्वारा करवाया गया। डॉ. घासीराम वर्मा ने भी इस संस्था को 200000 रु० का सहयोग दिया। इस कार्य के लिए समाज डॉ. घासीराम वर्मा व गंगाजल मील का आभारी रहेगा। इस संस्था के पास लगभग 12 बीघा भूमि है जिसमें से 4 बीघा भूमि पर इस छात्रावास का निर्माण हुआ है। इस छात्रावास की भूमि का पट्टा श्री गंगाजल जी मील ने अपने विधायक कार्यकाल में राज्य सरकार से रियायती दरों पर उपलब्ध करवाया। शेष भूमि का पट्टा राजपुरा पीपेरण पंचायत द्वारा तेजा जी मंदिर के नाम से है उसे नगरपालिका सूरतगढ़ में दर्ज करवाकर नवीनीकरण करवा लिया गया है। इन दोनों कार्यों के लिए समाज श्री गंगाजल मील का आभार व्यक्त करता है।

3. कार्यकारिणी —

पूर्व अध्यक्षों की सूची—

कार्यकाल कब से कब तक

1. श्री मनसाराम गोदारा	सन् 1983 से 1990 व सन् 1991 से 1996
2. श्री मनफूल सिंह भादू	सन् 1990 से 1991
3. श्री बीरबल सिंह भादू	सन् 1996 से 1999
4. श्री राजेन्द्र सिंह भादू	सन् 1999 से 2003
5. श्री गंगाजल मील	सन् 2003 से 2006
6. श्री भगवान सिंह सिनवार	सन् 2006 से 2008
7. श्री साहिबराम भादू	सन् 2008 से 2009
8. श्री देवीलाल सहारण	सन् 2009 से 2012
9. श्री राजाराम गोदारा	सन् 2012 से 2015
10. श्री रामकुमार भांभू	सन् 2015 से 2017
11. श्री विजय सिंह जाखर	सन् 2017 से 2020

वर्तमान प्रबंध कार्यकारिणी

1. श्री गंगाजल मील पूर्व विधायक	—	संरक्षक
2. श्री राजेन्द्र सिंह भादू पूर्व विधायक	—	संरक्षक
3. श्री चन्द्रराम लेघा पूर्व प्रधान	—	संरक्षक
4. डॉ. दलीप सिंह सिहाग	—	अध्यक्ष
5. श्री मोहन लाल डेलू	—	उपाध्यक्ष
6. श्री देशराज डूडी	—	उपाध्यक्ष
7. श्री ओम चाहर	—	सचिव

8. श्री विनोद गोदारा	—	सह सचिव
9. श्री राजपाल नाडर	—	कोशाध्यक्ष
10. श्री मदन भांभू	—	विधि सलाहकार
11. श्री सुभाश गोदारा	—	सदस्य
12. श्री नानूराम सिलू	—	"
13. श्री महेन्द्र गोदारा	—	"
14. श्री दयाराम जाखड़	—	"
15. श्री राजेश भादू	—	"
16. श्री भयोपत राम सिहाग	—	"
17. श्री राम कुमार कस्वां	—	"
18. श्री संतराम भांभू	—	"
19. श्री प्रेम जाखड़	—	"
20. श्री हंसराज भादू	—	"
21. श्रीमती नीलम सांगवान	—	"
22. श्रीमती वीनू चौधरी	—	"
23. श्रीमती विमला महूरे	—	"

विशेष आमंत्रित सदस्य —

1. श्री बहादर भांभू
2. श्री जोतराम गोदारा
3. श्री राजाराम गोदारा
4. श्री नारायण डूडी
5. श्री भगवान सिंह
6. श्री नरेन्द्र घिंटाला
7. श्री कृष्ण भांभू
8. श्री राम कुमार भांभू
9. श्री भादर सहारण
10. श्री रणजीत सहारण माणकथेड़ी

4. भौतिक संसाधन — इस छात्रावास में 35-35 कमरों का दो मंजिला भवन बना हुआ है जिनमें 16-16 लेट-बाथ ऊपर नीचे अलग-अलग बने हुए हैं। 70 सीटों का भोजन कक्ष मय मेज-कुर्सी व डक कूलर से सुसज्जित है जहां बैठकर सभी बच्चियां भोजन करती हैं। 60 गुणा 60 का रसोई घर है जिसमें दो कमरे मय बरामदा बना हुआ है। भवन के अन्दर ही वार्डन के लिए भी शयनकक्ष है। 24 सीटों की निःशुल्क लाइब्रेरी है जिसमें पाठ्यक्रम संबंधी व अन्य उपयोगी पुस्तकें हैं। दो कम्प्यूटर मय प्रिंटर है। 12 केबी का सोलर प्लांट व 500-500 लीटर के 4 सोलर गीजर लगे हुए हैं। इन्वर्टर की भी सुविधा है। ठंडे व साफ जल के लिए 4 वाटर कूलर लगे हुए हैं। खेलकूद के लिए बॉलीबॉल, बैडमिंटन आदि खेलों के मैदान बने हुए हैं। छात्रावास परिसर में तेजा पार्क, फव्वारा, फल व फूलदार,

छायादार पेड़ हैं। वार्डन व अध्यक्ष के लिए ऑफिस रूम बने हुए। चौकीदार आवास भी परिसर में बना हुआ है। मुख्य द्वार पर चौकीदार का गार्डरूम बना हुआ है। रसोईघर में आटा गूंथने व रोटी बनाने की ऑटोमेटिक मशीन है। तीन महिला कर्मचारी रसोईघर की व्यवस्था को संभालती हैं। दो चौकीदार और दो सफाई कर्मचारी नियमित रूप से कार्य करते हैं।

कमरा निर्माण करवाने वाले दानदाताओं की सूची –

इस छात्रावास में कमरों का निर्माण व्यक्तिगत, ग्राम सभा, एक गौत्र द्वारा करवाया गया है। जिसका विवरण निम्न प्रकार से है—

1. श्री रणजीत सिंह सिहाग सूरतगढ़ (डाइनिंग हॉल)
2. श्री हरीराम धायल लुहानी (हरियाणा) एक कमरा
3. श्री शिवलाल कुलड़िया पीलीबंगा "
4. श्री उदाराम सहारण 35 एस.टी.जी. "
5. श्री मल्लुराम भांभू श्रीगंगानगर "
6. सर्व भादू परिवार बड़ोपल "
7. श्री ठाकरूराम गोदारा संघर "
8. श्री मनफूल सिंह भादू सांसद सूरतगढ़ "
9. श्री साहिबराम भादू अहमद पुरा "
10. श्री बीरबल सिंह भादू पूर्व प्रधान सूरतगढ़ "
11. श्री महावीर सिंह घिंटाला अमरपुरा जाटान "
12. श्री स्वरूप सिंह सांगवान सूरतगढ़ "
13. श्री बाघाराम जाखड़ 22 जी.बी. "
14. श्री चेताराम भांभू 7 एस.जी.एम. "
15. श्री मनफूल थोरी बिरदवाल "
16. श्री फूसाराम जाखड़ सिद्धवाला "
17. डॉ. विजय बेनीवाल सूरतगढ़ "
18. डॉ. शिवकरण सिहाग सूरतगढ़ "
19. श्री मोहनलाल डेलू प्रेमपुरा "
20. जाट ग्राम सभा राजपुरा पीपेरण "
21. श्री बीरबल सिंह कड़वासरा 24 जी.बी. "
22. जाट ग्राम सभा सोमासर "
23. श्री राधाकिशन कड़वासरा रामपुरा "
24. श्री बेगाराम धतरवाल लालगढ़िया "
25. श्री रामनाथ चौधरी 24 जी.बी. "
26. श्री तिलोका राम गोदारा रामपुरा न्यौला "
27. श्री नानूराम सिलू सीलवानी "
28. श्री सुलतान राम सहारण माणकथेड़ी "
29. श्री तारूराम सिलू सीलवानी "

30. श्री भंवरलाल ढूकिया राजपुरा पीपेरण "
31. श्री चूनाराम कड़वासरा सूरतगढ़ "
32. श्री हेतराम पूनिया गूडली "
33. जाट ग्राम सभा अहमदपुरा "
34. श्री बलराम गोदारा रामपुरा "
35. श्री जीवन राम गोदारा पीपांसर "
36. श्री मल्लूराम भूकर अमरपुरा जाटान "
37. श्री रामनारायण गोदारा सूरतगढ़ "
38. श्री धनीराम डूडी पीली मंदोरी, हरियाणा "
39. श्री पूरणाराम सहारण 10 एस.पी.डी. "
40. श्री विजय सिंह जाखर रंगमहल "
41. श्री गणपत राम लेघा 28 जी.बी. "
42. श्री हेतराम चौटिया नाहरावाली "
43. श्री बुधराम सहारण 9 एस.पी.डी. "
44. श्री मनफूल राम गोदारा 8 एस.एच.पी.डी. "
45. श्री आदूराम पूनिया आनन्दगढ़ "
46. श्री भादरराम भांभू जानकीदासवाला "
47. श्री भयोकरण राम जांघू संगीता "
48. श्री चंदूराम लेघा पूर्व प्रधान रघुनाथपुरा "
49. श्री जेठाराम गोदारा पीपांसर "
50. श्री देसराज डूडी सूरतगढ़ "
51. श्री देवीलाल भादू सूरतगढ़ "
52. श्री रामे" वर लाल ढूकिया 8एस.एच.पी.डी. "
53. श्री विजय कुमार रणवा सूरतगढ़ "
54. श्री राजेश कस्वां नयासर झूझनु "
55. श्री प्रभुराम पोटलिया बीकानेर "
56. श्री चेताराम कस्वां बड़ोपल "
57. श्री चेतनराम भांभू सुरजनसर "
58. श्री साहबराम चाहर ठुकराणा "
59. श्री रूपराम भूकर अमरपुरा जाटान "
60. श्री कालुराम भूकर अमरपुरा जाटान "
61. श्री रामचन्द्र गोदारा 22 जी.बी. "
62. श्री तेजाराम गोदारा पीपांसर "
63. श्री रावताराम गोदारा पीपांसर "
64. श्री जयलाल सिहाग न्यौलारामपुरा "
65. श्री मुखराम गोदारा देईदासपुरा "

66. श्री दयाराम जाखड़ रामसरा जाखड़ान	“
67. श्री भागीरथ गोदारा सांवलसर	“
68. श्री साहबराम हुड्डा राजियासर	“
69. श्री किशनलाल गोदारा राजियासर	“
70. श्री लेखराम सहारण राजियासर	“
71. श्री अर्जूनराम गोदारा राजियासर	“
72. श्री राजवीर भादू राजियासर	“
73. श्री रामलाल सहारण राजियासर	“
74. श्री शिशपाल गोदारा राजियासर	“
75. श्री गणेशाराम ढूकिया सूरतगढ़	“
76. श्री ओमप्रकाश सहारण रघुनाथपुरा	“
77. श्री लूणाराम गोदारा रामपुरा	“

5. **विद्यार्थी विवरण** – छात्रावास में कुल 207 बच्चियों की संख्या है जिनमें 49 कोचिंग, 123 सैल्फ-स्टडी, 34 महाविद्यालय व 1 स्कूल की छात्राएं हैं। वार्डन श्रीमती संजू अरोड़ा डबल एम. कॉम, एम.सी.ए. हैं। सरकारी सेवा में चयनित छात्राओं का विवरण— 1. श्रीमती रजनी श्योराण आर.ए.एस., 2. निधि गुप्ता आर.ए.एस., 3. सुश्री गायत्री आर.ए.एस.। फर्स्ट ग्रेड, सेकेंड ग्रेड थर्ड ग्रेड अध्यापक, पटवारी, ग्राम सेवक, पुलिस व डी ग्रुप में भी इस छात्रावास में रही लगभग 100 छात्राओं का चयन पिछले कुछ वर्षों में हुआ है।
6. **प्रवेश प्रक्रिया** – इस छात्रावास में पहले आओ पहले पाओ के आधार पर बिना किसी जाति भेदभाव के सर्वसमाज की छात्राओं को प्रवेश दिया जाता है। जूलाई माह में प्रवेश आरंभ होते हैं। प्रवेश शुल्क 1100 रु० है व 2500 रु० छात्रावास शुल्क है। प्रवेश पत्र में छात्रा का पूरा विवरण, छात्रा का फोटो व मिलने वाले दो अभिभावकों की फोटो लगाई जाती है। साथ में एक छात्रावास के नियमों की एक पुस्तक दी जाती है जिसे मानना छात्राओं के लिए अनिवार्य है। अगर कोई छात्रा बी.पी.एल. परिवार से है तो उसकी आधी फीस माफ कर दी जाती है, यह छूट भी सर्वसमाज की छात्राओं को बिना किसी भेदभाव के दी जाती है।
7. **शैक्षिक और सहशक्षिक गतिविधियाँ** – छात्रावास में समय-समय पर छात्राओं की स्वास्थ्य जांच हेतु मेडिकल कैम्प का आयोजन किया जाता है। छात्राओं के मार्गदर्शन हेतु आई.ए.एस., आर.ए.एस. व आर.जे.एस. अधिकारियों को बुलाकर उनके व्याख्यान भी करवाए जाते हैं। जाट समाज की महान विभूतियों की जयंती व पुन्यतिथि पर श्रद्धाजंली सभा का आयोजन होता है। तेजा जी की पुन्यतिथि भादवानवमी की रात्रि को तेजा जी मंदिर पर भंडारा व जागरण का आयोजन हर साल किया जाता है। स्वतंत्रता व गणतंत्र दिवस पर छात्रावास में ध्वजारोहण किया जाकर छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन होता है। इस अवसर पर छात्रावास में रह चुकी छात्राओं सरकारी सेवा में

चयन होने पर एवं समाज के लोगों का राजनीतिक पद पर निर्वाचित होने पर उनका सम्मान किया जाता है।

8. **वित्तीय प्रबंधन व आय स्रोत**— इस संस्था में सिर्फ जाट समाज से ही सहयोग राशि ली जाती है जो समय-समय पर आव” यकता अनुसार समाज से इकट्ठी कर ली जाती है। छात्रावास की छात्राओं से प्राप्त भुल्क से भी इसका संचालन हो रहा है।
9. **भोजन व आवास व्यवस्था**— जैसा कि पूर्व में लिखा जा चुका है कि छात्राओं के रहने के लिए 70 कमरे उपलब्ध हैं। वार्डन आवास, भोजन कक्ष, रसोईघर, चौकीदार निवास, वार्डन व अध्यक्ष के ऑफिस अलग से बने हुए हैं। रसोई व्यवस्था वार्डन के अधीन है। छात्राओं की इच्छानुसार मेन्यू तैयार होता है। महीने में एक बार स्पेशल डिश भी दी जाती है।
10. छात्रावास से डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर सरकारी मॉडल स्कूल, सरकारी महाविद्यालय, निजी महाविद्यालय व अनेक निजी पाठशालाएं व कोचिंग सेंटर हैं। दो किलोमीटर की दूरी पर भाटिया आश्रम है जिसमें लगभग 12000 स्टूडेंट कोचिंग ले रहे हैं। इस छात्रावास से 1 किलोमीटर की दूरी पर निजी एग्रीकल्चर कॉलेज व आई.टी.आई. कॉलेज भी हैं।
11. इस संस्था के पूर्व अध्यक्ष व वर्तमान संरक्षक श्री गंगाजल जी मील परिवार की निजी महाविद्यालय उनके गांव निरवाणा में चल रहा है। इस परिवार के जयपुर में स्वामी केशवानन्द इंजीनियरिंग कॉलेज व हनुमागढ़ में भी स्कूल व कॉलेज संचालित हैं। शहर सूरतगढ़ समाज के कई लोगों के निजी स्कूल चल रहे हैं।
 1. अंजना पब्लिक स्कूल, सूरतगढ़।
 2. जीनियस पब्लिक स्कूल, सूरतगढ़।
 3. के. आर. गोदारा पब्लिक स्कूल, सूरतगढ़।
 4. सूर्या चिल्ड्रन स्कूल, सूरतगढ़।
 5. ग्रामोत्थान स्कूल, सूरतगढ़
 6. संस्कार स्कूल, सूरतगढ़।

संकलन

मोहनलाल डेलू सूरतगढ़— 9414653267